ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 30-12-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-30 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-12-31	2026-01-01	2026-01-02	2026-01-03	2026-01-04
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	15.0	15.5	16.0	16.5	16.0
न्यूनतम तापमान(से.)	10.0	9.9	10.1	9.9	9.2
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	71	71	68	70	74
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	42	39	37	42
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	3	5	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	301	34	14	280	349
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	1	0	0
चेतावनी	ठंडा दिन; कोहरा	कोहरा	कोहरा	कोहरा	कोहरा

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सात दिनों (23 से 29 दिसंबर) में 0.0 मिमी बारिश रही, जिसमें अधिकतम और न्यूनतम तापमान 12.8 से 21.0 डिग्री सेल्सियस और 6.1 से 10.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले हफ्ते ज़्यादातर दिनों में घना कोहरा और ठंड रही। सुबह 0712 बजे सापेक्षित आद्रता 93 से 100% के बीच रही और शाम 1412 बजे सापेक्षित आद्रता 61 से 98% के बीच रही। हवा की गति 0.6 से 2.2 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज़्यादातर पश्चिम, पूर्व-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-उत्तर-पश्चिम थी। अगले 5 दिनों के पूर्वानुमान में बारिश नहीं होने की संभावना है, लेकिन 30 दिसंबर से 3 जनवरी तक कड़ाके की ठंड और बहुत घना कोहरा रहेगा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15.0-16.5 डिग्री सेल्सियस और 9.2-10.1 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। हवा के उत्तर-पश्चिम-पश्चिम, उत्तर-उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व, पश्चिम-उत्तर और उत्तर-पश्चिम दिशा में 5-7 किमी प्रति घंटे की स्पीड से चलने की उम्मीद है। 30 दिसंबर से 3 जनवरी तक आने वाले हफ्ते में कुछ जगहों पर घना कोहरा और ठंड की स्थिति रहने की संभावना है, जिसके लिए पीली चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

आने वाले हफ़्ते में ठंडे दिनों और घने कोहरे को लेकर पीली चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

ठंडे दिन और घना कोहरा फसलों के लिए नुकसानदायक है, इसलिए तापमान बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। आलू की फसल में तापमान बनाए रखें और बीमारी/कीट नियंत्रण के उपाय अपनाएं, क्योंकि मौसम आलू की फसल में कीट/बीमारी लगने के लिए अनुकूल है।

सामान्य सलाहकार:

किसान और दूसरे संबंधित समुदाय रेगुलर मौसम की जानकारी और बारिश के अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। मौसम विज्ञान और बिजली गिरने के आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे दूसरे ऐप भी उपलब्ध हैं। सभी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूज़र्स) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली में कम बारिश और सामान्य से ज़्यादा अधिकतम और न्यूनतम तापमान दिखाया गया है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, आगे घना कोहरा और ठंडे दिन रहने की उम्मीद है, इसलिए ठंड से होने वाले किसी भी नुकसान से बचने के लिए खेत और पशुओं के बाड़े में तापमान बनाए रखने के लिए उचित इंतज़ाम करने की ज़रूरत है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फूल आने और फली बनने जैसे ज़रूरी चरणों में सिंचाई महत्वपूर्ण है, इसलिए ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए।
मसूर की दाल	फूल आने और फली बनने जैसे ज़रूरी चरणों में सिंचाई महत्वपूर्ण है, इसलिए ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए।
रेपसीड	फूल आने और फली बनने की स्थिति में, देर से बोई गई फसल में सिंचाई करनी चाहिए। माहू कीट को नियंत्रित करने के लिए, जब कीट आर्थिक सीमा स्तर (10-15 पौधों के तने की 10 सेमि ऊपरी शाखा पर 26-28 माहू) से ज़्यादा पाए जाएं, तो डाइमेथोएट 30 इसी 500 ml या थायमेथोक्साम 25 डब्लूजी 100 ग्राम को 600-700 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर 10 दिन के अंतराल पर डालें। जब सितंबर में बोई गई फसल में 75% फलियां सुनहरे रंग की हो जाएं, तो फसल की कटाई करें।
सरसों	फूल आने और फली बनने की स्थिति में, देर से बोई गई फसल में सिंचाई करनी चाहिए। माहू कीट को नियंत्रित करने के लिए, जब कीट आर्थिक सीमा स्तर (10-15 पौधों के तने की 10 सेमि ऊपरी शाखा पर 26-28 माहू) से ज़्यादा पाए जाएं, तो डाइमेथोएट 30 इसी 500 ml या थायमेथोक्साम 25 डब्लूजी 100 ग्राम को 600-700 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर 10 दिन के अंतराल पर डालें। जब सितंबर में बोई गई फसल में 75% फलियां सुनहरे रंग की हो जाएं, तो फसल की कटाई करें।
गेहूँ	गेहूं की देर से बुवाई करने से पकने की अवस्था में गर्मी के तनाव के कारण पैदावार कम हो जाती है। ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए ज़रूरत के हिसाब से हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
जौ	फसल में नियमित निगरानी के साथ खरपतवार हटाने और निराई-गुड़ाई का काम किया जाना चाहिए। ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए।
गन्ना	पाला/कोहरे की स्थिति में फसल की नियमित निगरानी और सिंचाई का ध्यान रखना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। पत्तों पर धब्बे की बीमारी को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोजेब 75 डब्लूपी का 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए।
प्याज	प्याज की रोपाई 15 जनवरी तक पूरी कर लेनी चाहिए। लाइन से लाइन और पौधे से पौधे की दूरी क्रमशः 15 और 10 सेंटीमीटर होनी चाहिए।
सब्जी पीईए	अंतर-सांस्कृतिक कार्यों के साथ-साथ, स्टेम फ्लाई और लीफ माइनर के लिए सुझाए गए रासायनिक अनुप्रयोग का पालन किया जाना चाहिए।
टमाटर	फसल में बीमारी फैलाने वाले कीड़ों की जांच करनी चाहिए और उसी के अनुसार नियंत्रण करना चाहिए।
मिर्च	फसल में बीमारी फैलाने वाले कीड़ों की जांच करनी चाहिए और उसी के अनुसार नियंत्रण करना चाहिए।
आलू	आलू में पछेती झुलसा बीमारी को नियंत्रित करने के लिए, सलाह दी जाती है कि मैनकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी का घोल इस्तेमाल करें। फसल की ज़रूरत के हिसाब से हल्की सिंचाई करनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, उनके खाने में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। जानवरों को अजवाइन और गुड़ भी देना चाहिए। जानवरों को ठंड से बचाने के लिए पशुशाला का सही इंतज़ाम करना चाहिए। जानवरों को रिंडरपेस्ट बीमारी (शीतला रोग) से बचाने के लिए उन्हें टीका लगवाना चाहिए।
गाय	जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, उनके खाने में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। जानवरों को अजवाइन और गुड़ भी देना चाहिए। जानवरों को ठंड से बचाने के लिए पशुशाला का सही इंतज़ाम करना चाहिए। जानवरों को रिंडरपेस्ट बीमारी (शीतला रोग) से बचाने के लिए उन्हें टीका लगवाना चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोहरे/पाला पड़ने से फसलों को ठंड से नुकसान हो सकता है और कीड़े तथा बीमारी का हमला बढ़ सकता है। आलू की फसल कीट/बीमारी के लिए संवेदनशील स्थिति में है क्योंकि मौसम की स्थिति लेट ब्लाइट बीमारी के होने के लिए उपयुक्त है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

पाला/कोहरे से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए फसल को हल्की सिंचाई देनी चाहिए और बीमारी/कीटों से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए आलू की फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details